वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 208 | बुधवार 23 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्रदेश के 90 प्रतिशत परिवार अब स्वास्थ्य बीमाओं के अंतर्गत पंजीकृत

यूनिवर्सल हैल्थ कवरेज में राजस्थान अव्वल: गहलोत

पाली जिले में 350 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

जोधपुर-पाली को 'ट्विन सिटीज' के रूप में विकसित करने के होंगे प्रयास

रोहट में किया स्काउट एण्ड गाइड जम्बूरी आयोजन स्थल का अवलोकन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को पाली में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 19 राजकीय नर्सिंग महाविद्यालयों का शिलान्यास किया। साथ ही, पाली जिले में 350.50 करोड़ रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का भी शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। समारोह को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, कृषि, चिकित्सा, सामाजिक सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। इसी क्रम में आज 19 राजकीय नर्सिंग महाविद्यालयों का शिलान्यास किया गया है। इनके निर्माण के पश्चात महाविद्यालयों से निकलने वाले नर्सिंग विद्यार्थी प्रदेश में बेहतर सेवाएं देंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस दौरान बाड़मेर, बांसवाड़ा, कुम्हेर (भरतपुर), भीलवाड़ा, लालसोट (दौसा), धौलपुर, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जालौर, झुंझुनूं, करौली, नागौर, नाथद्वारा (राजसमंद), प्रतापगढ़, सीकर, सिरोही एवं टोंक नर्सिंग महाविद्यालयो का वर्चुअल एवं पाली व चित्तौड़गढ़ में भूमि पूजन कर कुल 19 नर्सिंग महाविद्यालयों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से आमजन को महंगे इलाज की चिंता से मुक्ति मिली है। राजस्थान में लगभग 90 प्रतिशत परिवार हैल्थ इन्श्योरेंस के अंतर्गत आते हैं, जबकि इसका राष्ट्रीय औसत केवल 41 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में अब तक लगभग 28 लाख परिवारों को लगभग 3,177 करोड़ रूपए से अधिक का निःशुल्क इलाज दिया गया है। चिरंजीवी बीमा योजना के तहत 10 लाख रूपए तक के निःशुल्क इलाज के साथ ही लीवर ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट, कोक्लियर इम्प्लांट जैसे जटिल उपचारों में 10 लाख की सीमा समाप्त कर दी गई है। इसके अलावा 5 लाख रूपए तक का दुर्घटना बीमा भी दिया जा रहा है।

जनकल्याणकारी योजनाओं से राजस्थान बन रहा मॉडल स्टेट

गहलोत ने कहा कि राजस्थान की जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रदेश आज मॉडल स्टेट बनकर उभर रहा है। मात्र 8 रूपए में पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराने के लिए इंदिरा रसोई योजना, शहरी बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना, ब्याजमुक्त ऋण के लिए इंदिरा गांधी शहरी क्रेडिट योजना, आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग के लिए मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना, प्रदेश के विद्यार्थियों को विदेश में निःशुल्क पढ़ाई के लिए राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस सहित कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही हैं।

प्रदेश के औद्योगिकीकरण में पाली-जोधपुर की अहम भूमिका

गहलोत ने कहा कि हमारी सरकार ने पाली-जोधपुर क्षेत्र को हमेशा महत्व दिया है। इन दोनों शहरों को **"ट्विन सिटीज"** के रूप में विकसित करने का भी लंबे समय से प्रयास रहा है। पाली शहर में पेयजल समस्या का भी प्राथमिकता से समाधान किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। राजीव गांधी लिफ्ट कैनाल का तीसरा चरण भी हमारी सरकार द्वारा शुरू किया गया है, जिसका लाभ शीघ्र पाली जिले को भी मिलेगा। प्रदेश से गुजरने वाले दिल्ली-मुंबई फ्रेट कॉरिडोर का बड़ा हिस्सा अलवर, जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा एवं पाली से गुजरता है। पिछले कार्यकाल में हमारे प्रयासों की वजह से मारवाड़ जंक्शन से रोहट होते हुए जोधपुर को भी इस परियोजना के साथ जोड़ा गया। इस क्षेत्र में अब वृहद् स्तर पर औद्योगिक क्षेत्रों का विकास किया जा रहा है।

झिझक छोड़ो-चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो के तहत सेनेटरी पेड वितरण

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के द्वारा राजकीय सूरजीदेवी काबरा बालिका उच्च मा. विद्यालय में सेनेटरी नेपकीन वितरण कार्यक्रम में मंचासीन श्रीमती तस्लीम खान सचिव विधिक सेवा, प्राधिकरण मेडता, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ज्ञानेन्द्रसिंह शेखावत, एस.डी.एम बाबूलाल जाट , कैलाश चन्द सेनी, प्रधानाचार्या श्रीमती नीरज गोयल, अजमेर जोन के कोषाध्यक्ष सुभाष पहाड़िया, संस्था अध्यक्ष कैलाशचन्द पान्ड्या, सचिव रामअवतार गोयल, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार जैन, विद्यालय विकास प्रबन्ध समिति के सदस्य मुरारी गौड, विमल पारीक मंचासीन

अतिथियों का शाला अध्यापक व अध्यापिकाओं द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया गया। तस्लीम खान, ज्ञानेन्द्रसिंह, बाबूलालजाट ने बालिकाओं को अपने अधिकारों के कानुन के तहत निम्न जानकारियां दी जिसमें बाल विवाह, शिक्षा का अधिकार, बालिका उत्पीडन के बारे विस्तार से बालिकाओं को समझाया व बालिकाओं की शंकाओं का समाधान कर उचित परामर्श दिया, संस्था द्वारा बालिकाओं सेनेटरी पेड के महत्व को समझाते हुए बालिकाओं को 300 पेकेट सेनेटरी पेड वितरण किए। शाला प्रधान श्रीमती नीरज गोयल ने सभी मंचासीन अतिथियों द्वारा विद्यालय में पधारने व बच्चों का उचित मार्गदर्शन व महावीर इन्टरनेशनल के द्वारा सेनेटरी पेड वितरण करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

IFGIAA , राजस्थान रीजन कार्यकारिणी की मीटिंग एवम् दीवाली स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। इंडियन फेडरेशन ऑफ जनरल इन्श्योरेन्स एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (IFGIAA) , राजस्थान रीजन कार्यकारिणी की मीटिंग एवं दीवाली स्नेह मिलन पुष्कर स्थित CLARKS SAFARI रिसोर्ट, में आयोजित की गई। इस मीटिंग में केंद्र सरकार व IRDA द्वारा सभी एजेंट्स को खत्म करने की जो कार्यवाही की जा रही है उस पर विचार विमर्श किया गया। IRDA जो पोर्टल ला रही है उससे सभी एजेंट्स का अस्तित्व खतरे में है ओर उनकी रोजीरोटी खत्म होने जा रही है। रिजन अध्यक्ष रविन्द्र गौड़ ने बताया कि इन समस्याओं को देखते हुई कार्यक्रम में उपस्थित संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ व राष्ट्रीय महासचिव सुधीर गुप्ता ने राष्ट्रीय स्तर पर की जा रही संगठन की गतिविधियों के बारे में विस्तृत से बताया एवं सभी एजेंट्स को संगठित होने का आव्हान किया हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक एक पत्र लिखने के लिए कहा है । जिसमे पोर्टल को शुरु नही करने व एजेंट्स की रोजीरोटी को खत्म नही करने की अपील की गई हैं। रिजन महासचिव सुनील शर्मा ने बताया कि मीटिंग में जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, भीलवाड़ा, अजमेर, कोटा, सीकर, नागौर आदि से सदस्य उपस्थित थे।राजस्थान रिजन के उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव एवं कोषाध्यक्ष सौरभ गोधा ने बताया कि मीटिंग के द्वितीय सत्र के FORTIS अस्पताल के डॉ राकेश चित्तोड़ा, डॉ संदीप जैन, डॉ. राहुल शर्मा ने कार्डियोलॉजी व गेस्ट्रोलॉजी से सम्बंधित बीमारियों व उनके उपचार के बारे में विस्तार से चर्चा की ओर साथ ही Fortis के Zonal Head नीरव बंसल, Unit Head- मार्केटिंग मंजीत ग्रोवर एवं मार्केटिंग टीम से बृजकिशोर गुप्ता, धीरज अरोड़ा भी उपस्थित थे।मीटिंग के अन्त में IFGIAA- राजस्थान रीजन अध्यक्ष रवींद्र गौड़ व वरिष्ठ उपाध्यक्ष सवाई सिंह भाटी ने सभी उपस्थित अथितियों व सदस्यों का आभार प्रकट किया एवं मीटिंग का संचालन संगठन के रीजन महासचिव सुनील कुमार शर्मा ने किया।

मुनि दीक्षा दिवस विशेष

छाणी परम्परा के प्रथम पट्टाधीश आचार्य श्री 108 सूर्य सागर जी महाराज

शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री 108 सूर्य सागर जी महाराज का जन्म कार्तिक शुक्ल नवमी तदनुसार 9 नवम्बर 1883 को ग्राम प्रेमसर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) में हुआ था। आपने आसोज शुक्ल षष्टी तदनुसार 4 अक्टूबर 1924 को इन्दौर (म.प्र.) में आचार्य श्री 108 शांतिसागर जी महाराज (छाणी) के कर-कमलों से ऐलक दीक्षा ग्रहण की तथा 51 दिन पश्चात ही मार्गशीष बदी एकादशी तदनुसार 23 नवम्बर 1924 को आप हाटपीपल्या, जिला देवास (म.प्र.) में मुनि दीक्षा अंगीकार कर आत्म-कल्याण के मार्ग पर आरुढ़ हुए। आप दिगम्बर जैन परम्परा के ऐसे प्रमुख साधुओं में से एक थे जिन्होंने साहित्य के माध्यम से जैन आगम को सुदृढ़ एवं स्थायित्व प्रदान करने में अपना महनीय योगदान दियो कार्तिक शुक्ल नवमी तदनुसार 21 नवम्बर 1928 को आपको कोडरमा (झारखण्ड) में आचार्य पद पर सुशोभित किया गया। इस परंपरा के पंचम पट्टाधीश परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्याभूषण सन्मति सागर जी महाराज के प्रमुख शिष्य परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज ने पूज्य आचार्य-प्रवर के मुनि दीक्षा दिवस के अवसर पर उनके चरणों में अपनी विनयांजलि अर्पित करते हुए बताया कि आचार्य श्री 108 सूर्य सागर जी महाराज के जीवन में जहाँ स्वकल्याण एवं स्वात्मोत्थान की भावना थी वहीं धर्म प्रभावना एवं समाज के उत्थान के विचार भी पनपते रहे। आप अपने श्रमणकाल में तीर्थंकर महावीर स्वामी की देशना को जन-जन में प्रचारित किया। आप एक सच्चे समाज सुधारक थे तथा आपने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का साहसिक प्रयत्न किया। आपकी विद्वता, चारित्र निर्मलता एवं संघ दक्षता को देखते हुए आचार्य श्री 108 शांतिसागर जी महाराज (छाणी) के समाधिमरण के पश्चात आपको विधिवत पट्टाचार्य पद प्रदान किया गया। आचार्य श्री विवेकी साधु थे, वे निरंतर इस बात का ध्यान रखते थे कि किसी तरह उनके मूलगुणों में दोष न लगे। आप स्वयं ज्ञानाभ्यास

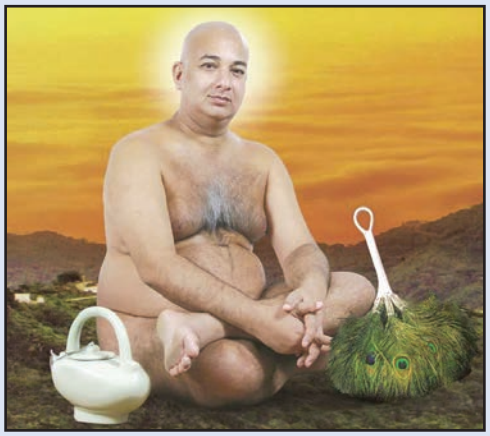

में लीन रहते थे और अपने शिष्यों को भी स्वाध्याय करवाते थे। सन 1928 में आपने संघ सहित शाश्वत तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी की वंदना की यहाँ आपका मंगल मिलन चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 शांतिसागर जी महाराज (दक्षिण) व 50-60 साधुओं से हुआ। सैकड़ों वर्षों में यह पहला अवसर था जब इतनी संख्या में त्यागीवृन्द एक साथ श्री सम्मेद शिखर जी में विराजमान थे। निर्भीक एवं स्वतंत्र विचारों के धनी आचार्य श्री 108 सूर्य सागर जी महाराज ने लगभग 35 ग्रथों का संकलन/प्रणयन किया। श्रमण एवं श्रावकों को कर्तव्यों का बोध करने वाला 'संयमप्रकाश' आपका अनुपम एवं विशालकाय ग्रन्थ है। पूज्य गणेश प्रसाद जी वर्णी आपको अपना गुरु स्वीकारते थे। आचार्य श्री निश्चय व व्यवहार मोक्षमार्ग पर पूर्णतया आरूढ़ रहे थे। आपने जिनागम को जैसा जाना-समझा उसे अपने व्यावहारिक जीवन में स्थान दिया। धार्मिक शिक्षा और सद्प्रवृत्तियों हेतु आप सदा प्रयत्नशील रहे। आपके सदुपदेश से अनेक स्थानों पर पाठशालाएं, विद्यालय, औषधालय खुले और समाज में व्याप्त कषाय भी समाप्त हुई। सन 1952 में राजधानी

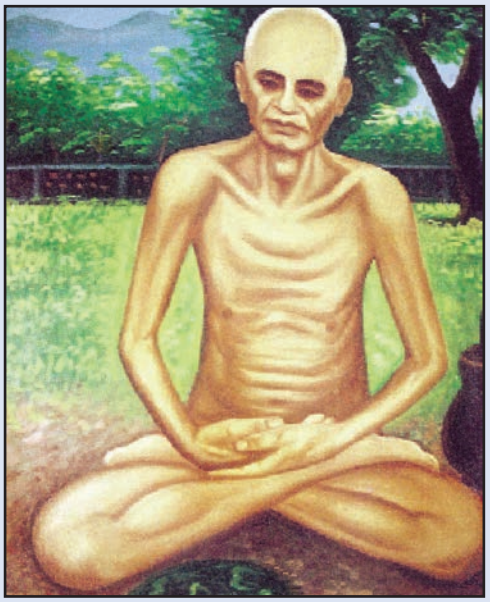

दिल्ली से श्री सम्मेद शिखर जी की ओर मंगल विहार करते हुए आचार्य श्री ससंघ डालमिया नगर पहुंचे जहाँ उनका स्वास्थ्य अत्याधिक गिरने लगा। श्रावण कृष्णा नवमी तदनुसार 15 जुलाई 1952 को आचार्य श्री ने समाधिपूर्वक मरण कर इस नश्वर देह का त्याग किया। उस समय आचार्य श्री के निकट क्षुल्लक श्री पूर्णसागर जी आदि त्यागीवृन्द तथा साहू शांतिप्रसाद जी, सेठ तुलाराम जी, लाला राजकृष्ण जी, श्री हुलाश चंद्र सेठी जी आदि अनेकों व्यक्ति उपस्थित थे। पूज्य आचार्य श्री का जितना विशाल एवं अगाध व्यक्तित्व था, उनका कृतित्व उससे भी अधिक विशाल था। आचार्य श्री के कर-कमलों द्वारा अनेक भव्य जीवों ने जैनेश्वरी दीक्षा अंगीकार कर अपना जीवन धन्य किया। **संकलन: समीर जैन (दिल्ली)**

मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज की हुई भव्य मंगल अगवानी

भक्ति नृत्य, जयकारों के साथ हुई अगवानी, सजाए तोरण द्वार, रंगोली

बानपुर,ललितपुर. शाबाश इंडिया। चर्याशिरोमणि आचार्य विशुद्ध सागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक आज्ञानुवर्ती परम शिष्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, मुनि श्री प्रणत सागर जी(ललितपुर नगर गौरव), मुनि श्री सौम्यसागर जी महाराज त्रय मुनिराज का अतिशय तीर्थक्षेत्र क्षेत्रपाल जी, बानपुर में मंगल आगमन हुआ। सकल दिगम्बर जैन समाज बानपुर व क्षेत्रीय जैन-जैनेत्तर समाज ने बड़े ही भक्तिभाव पूर्वक कस्बा बानपुर की सीमा से दो किलोमीटर दूर से गाजे-बाजे व भक्ति नृत्य के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मुनिसंघ की मंगल अगवानी की।

अगवानी के लिए जैन-जैनेतर श्रद्धालु उमड़ पड़े

मुनित्रय की अगवानी के लिए जैन-जैनेतर श्रद्धालु उमड़ पड़े। कस्बा से दो किलोमीटर दूर पहुँचकर श्रद्धालुओं ने अगवानी की। पूरे रास्ते में विज्ञाश्री महिला मंडल, विज्ञाश्री बालिका मंडल, जैन समाज का समस्त महिला मंडल निर्धारित परिधान में भक्ति नृत्य करते हुए चल रही थीं तो श्रावकों ने गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान कर पूरे क्षेत्र को धर्म की गूँज से ओतप्रोत कर दिया। साधु सेवा समिति स्वयंसेवी संस्था के सदस्य उत्साह पूर्वक गाजे-बाजे के साथ मधुर ध्वनि कर रहे थे तो वहीं लोकनृत्य भी आकर्षण का केंद्र रहा। छोटी- छोटी नन्ही पाठशाला बच्चियों ने सफेद परिधान में मंगलगान, झूमते हुए सभी को आकर्षित किया। मीडिया प्रभारी डॉ सुनील संचय ने बताया कि नगर में स्वागत के लिए जहाँ तोरण द्वारा बनाये गए थे वहीं श्रद्धालुओं ने अपने-अपने दरवाजे पर सुंदर रंगोली सजाकर, पाद प्रक्षालन और आरती के द्वारा अपना उत्साह व भक्ति प्रदर्शित किया। अगवानी करने में सहावेन्द्र सिंह पूर्व ग्राम प्रधान, आशीष रावत जिला पंचायत सदस्य, काशीराम रजक , ग्राम प्रधान आदि तथा समस्त जैन समाज व जैनेतर समाजजन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सुनील सुंदरपुर ने मुख्य पाद प्रशालन किया। आभार अतिशय क्षेत्र बानपुर के अध्यक्ष महेन्द्र नायक ने व्यक्त किया। बानपुर पहुँचने पर मुनित्रय ने जिनालय में दर्शन किया, बानपुर समाज के पदाधिकारियों ने मंगल आरती कर स्वागत, वंदन किया। पंचकल्याणक महोत्सव का आगाज 28 नवम्बर से होगा, आयोजन की भव्यता को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारियां अंतिम दौर में हैं। **धार्मिक व्यक्तियों से धर्म चलता है :** इस अवसर पर मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज ने कहा कि धार्मिक व्यक्तियों के बिना धर्म का चलना संभव नहीं हो सकता। आचरण, विचार और सद्चरित्र ही धर्म है। जो व्यक्ति नैतिक है, जिसका आचरण पवित्र है एवं जो अपने कर्मों के प्रति निष्ठावान है और जो जीवन के अपने कर्तव्यों का निर्वाह करता है वह व्यक्ति धार्मिक है।

वेद ज्ञान

राष्ट्रहित आवश्यक

किसी भी राष्ट्र की प्रगति या दुर्गति के लिए वहां निवास करने वाली जनता पूरी तरह उत्तरदायी होती है। कोई भी राष्ट्र तभी खुशहाल और शक्तिशाली बन सकता है जब जनता के दिलों में अपने देश के प्रति प्रेम हो, क्योंकि अपने देश से प्रेम करने वाली जनता राष्ट्रहित में हर त्याग के लिए हमेशा तैयार रहती है। यदि लोगों में राष्ट्र प्रेम की भावना का अभाव हो तो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता है, बल्कि देश में हमेशा अशांति फैलती रहेगी। ऐसे राष्ट्र में सुख-संपन्नता की कल्पना तक नहीं की जा सकती है। अपने देश में कानून-व्यवस्था का पालन नहीं करने वाला व्यक्ति राष्ट्रभक्त नहीं हो सकता। इसलिए हर व्यक्ति का पहला कर्तव्य राष्ट्रहित में पूर्ण निष्ठा रखना और हर हाल में उसका पालन करना है। कोई भी व्यक्ति राष्ट्र से ऊपर नहीं हो सकता है। हर व्यक्ति राष्ट्र के लिए होता है। राष्ट्र किसी व्यक्ति के लिए नहीं होता। हालांकि किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी जनता से होती है। यानी जनता का चरित्र, राष्ट्र के चरित्र को रेखांकित करता है। जिस समाज में नफरत और वैमनस्य का बोलबाला होगा, विश्व में उस देश की छवि नकारात्मक ही होगी। इसके विपरीत जहां लोग आपसी मतभेदों को भुलाकर समानता और त्याग का भाव रखेंगे, उनके देश की छवि सकारात्मक होगी। राष्ट्र प्रेम का मूलमंत्र यही है कि समाज के हर व्यक्ति को समानता का भाव रखना चाहिए। कोई व्यक्ति अपने देश से कितना प्रेम करता है, इसे साबित करने के लिए जरूरी नहीं कि वह अपनी जान की कसम खाए। जहां जनता के बीच जितना ज्यादा आपसी प्रेम होगा, वहां राष्ट्र प्रेम की भावना उतनी ज्यादा मजबूत और दृढ़ होगी। प्रेम के अभाव में मनुष्य का कोई अस्तित्व ही नहीं है और न ही आपसी प्रेम के बिना राष्ट्र प्रेम की कल्पना की जा सकती है। प्रेम ही वह चीज है, जो इंसान को इंसान से और पूरे देश को जोड़कर रखने में समर्थ है। स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि जब पड़ोसी भूखा मरता हो, तब मंदिर में भोग चढ़ाना पुण्य नहीं, बल्कि पाप है। जब मनुष्य दुर्बल और क्षीण हो, तब हवन में घी जलाना अमानवीय कर्म है। वर्तमान में लोग मैं और मेरा के द्वंद्व में फंस गए हैं। कबीरदास कहते हैं कि जब तक हम दो होंगे, तब तक किसी तीसरे की गुंजाइश बनी रहेगी यानी घृणा, विद्वेष और सांप्रदायिकता की।

संपादकीय

डिजिटल दुनिया के विस्तृत होते दायरे

सहमति के बगैर किसी के भी निजी जीवन से जुड़ी जानकारियां सार्वजनिक या साझा करना कानूनी रूप से दंडनीय अपराध है। मगर डिजिटल दुनिया के विस्तृत होते दायरे में निजता को लेकर ही सबसे अधिक खतरे बढ़े हैं। हर किसी के जैविक ब्योरे, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि से जुड़ी जानकारियां, व्यावसायिक या व्यक्तिगत लेन-देन संबंधी सूचनाएं किसी न किसी रूप में कहीं न कहीं दर्ज हैं। डिजिटल संग्रह में जमा ये तमाम सूचनाएं सदा बनी रहती हैं। इसलिए इनमें सेंधमारी की आशंका हर समय बनी रहती है। इन संग्रहित ब्योरों की सुरक्षा के उपाय तमाम कंपनियां करती हैं, फिर भी उनमें सेंधमारी हो ही जाती है। जबसे स्मार्ट फोन का चलन बढ़ा है, निजी ब्योरों की चोरी और उनके दुरुपयोग की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इसके अलावा इसका एक चिंताजनक पहलू यह है कि इन संग्रहों में दर्ज डिजिटल ब्योरे कंपनियां खुद दूसरी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए साझा करती रहती हैं। इस समस्या से पार पाने के लिए केंद्र सरकार ने डिजिटल निजी आंकड़ा संरक्षण विधेयक 2022 का मसविदा तैयार किया है। इसके तहत निजी ब्योरों का दुरुपयोग करने वाली कंपनियों पर पांच सौ करोड़ रुपए तक का जुमार्ना लगाया जा सकेगा। पहले इसमें जुमार्ने की राशि पंद्रह करोड़ रुपए या संबंधित कंपनी के वैश्विक कारोबार का चार फीसद प्रस्तावित था। जब आधार पहचान पत्र बनाने की अनिवार्यता लागू की गई थी, तो देश में इसका चौतरफा विरोध हुआ था। इसके दुरुपयोग और इससे लोगों के निजता संबंधी मौलिक अधिकार के हनन की आशंका व्यक्त की जाने लगी थी। ऐसा इसलिए कि आधार में व्यक्ति के जैविक ब्योरे डिजिटल रूप में दर्ज होते हैं और उनके जरिए उसके निजी जीवन में बहुत आसानी से ताकझांक की जा सकती है। इसका विरोध होने पर सरकार ने भरोसा दिलाया था कि निजी डिजिटल ब्योरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, जिसमें सेंधमारी की गुंजाइश बिल्कुल नहीं है। मगर अनेक लोगों ने सार्वजनिक रूप से आधार पहचान में दर्ज ब्योरों की चोरी करके दिखाया और इसे रोकने की मांग दुहराई। फिर भी आधार पहचान पत्र न सिर्फ अनिवार्य बना रहा, बल्कि उसे लोगों के बैंक खाते, भविष्य निधि, शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी प्रक्रियाओं, सरकारी योजनाओं का लाभ पाने जैसी हर गतिविधि से जोड़ दिया गया। अब उसे मतदाता पहचान पत्र से भी जोड़ा जा रहा है। इसी तरह आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों के निजी जैविक ब्योरों का एक अलग से डिजिटल संग्रह तैयार करने का प्रस्ताव है, ताकि ऐसे लोगों पर हर वक्त नजर रखी जा सके। ऐसे में जब हर व्यक्ति के निजी ब्योरे तमाम कंपनियों, संस्थानों, संस्थाओं, छोटे-मोटे कारोबारी संगठनों तक के पास साझा हैं, उनके दुरुपयोग के खतरे दिनों-दिन बढ़ते गए हैं। अब तो कई कंपनियां लाभ के लिए अपने संग्रह में उपलब्ध लोगों के निजी ब्योरे दूसरी कंपनियों को व्यावसायिक उपयोग के सहज उपलब्ध कराती देखी जाती हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

नहीं जनाब!

इस बात को लंबे समय से रेखांकित किया जाता रहा है कि अदालतों की भाषा ऐसी होनी चाहिए, जिसे हर कोई समझ सके। प्रधानमंत्री भी कई मौकों, यहां तक कि न्यायाधीशों के सम्मेलन में इस बात पर जोर दे चुके हैं कि अदालतों का कामकाज आम लोगों को समझ में आने वाली भाषा में होना चाहिए। यह सैद्धांतिक रूप से तो सभी स्वीकार करते हैं, मगर व्यावहारिक स्तर पर इस पर अमल नहीं हो पाता। निचली अदालतों में फिर भी स्थानीय भाषा में कामकाज हो जाता है, फरियादी अपनी बात न्यायाधीश के सामने अपनी भाषा में रख पाता है, मगर ऊपरी अदालतों की भाषा अब भी अंग्रेजी है। इससे दोनों के लिए अड़चन पैदा होती है, न्यायाधीशों को भी और गुहार लगाने वालों को भी। इसका ताजा उदाहरण सर्वोच्च न्यायालय में तब सामने आया जब एक याचिकाकर्ता खुद पेश होकर न्यायाधीशों के सामने अपने मामले को रखना चाहा। चूंकि वह हिंदी में अपनी बात कह रहा था, इसलिए न्यायाधीश उसकी बात समझ पाने में असमर्थ थे। न्यायाधीशों ने स्पष्ट तौर पर याचिकाकर्ता को समझाया कि अदालत की भाषा अंग्रेजी है और अगर उन्हें मदद की जरूरत है तो विधिक सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है। वह सहायता अदालत ने उपलब्ध कराई भी। इस तरह एक बार फिर यह सवाल गहरा हुआ है कि आखिर कैसे अदालतों की भाषा को जन साधारण की भाषा बनाया जाए। सर्वोच्च न्यायालय के सामने तकनीकी मुश्किल यह है कि चूंकि वहां देश भर से मामले सुनवाई के लिए आते हैं, और देश में अनेक भाषाएं और बोलियां हैं, जिन्हें समझना उसके जजों के लिए कठिन काम है। इसलिए भी वहां का कामकाज अंग्रेजी में रखा गया है। सर्वोच्च न्यायालयों में चूंकि न्यायाधीशों की इतनी बड़ी संख्या भी नहीं होती कि उनमें हर भाषा के जानकार रखे जा सकें। मगर हिंदी तो लगभग सभी को समझ आती है। दूसरे भाषाभाषी प्रदेशों के लोग भी महानगरों में रहते हुए रोजमर्रा के कामकाज में हिंदी का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए ऐसा मानना कठिन है कि सर्वोच्च न्यायालय में हिंदी समझने वाले न्यायाधीश नहीं होंगे। फिर भी इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि चूंकि न्यायालयों का कामकाज विधिक तकनीकी शब्दावली में होता है, इसलिए न्यायाधीशों के सामने ऐसी समस्या पैदा होना स्वाभाविक है। इसी समस्या से पार पाने के लिए अदालतों में विधिक सेवा की व्यवस्था की गई है। अच्छी बात है कि सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित याचिकाकर्ता को विधिक सेवा उपलब्ध करा कर उसके मामले की गंभीरता को समझा, मगर यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि कब सर्वोच्च न्यायालय में आम आदमी की भाषा को प्रवेश मिल पाएगा। ऐसा नहीं कि कानून की पढ़ाई केवल अंग्रेजी में होती है। हिंदी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं में भी इसकी पढ़ाई होती है और कानून की भाषा तो आजादी से बहुत पहले विकसित हो गई थी। उसके तकनीकी शब्द अरबी-फारसी में बेशक हों, पर वे आम जन की जुबान पर चढ़े हुए हैं और सहज समझ में आते हैं। हिंदी प्रदेशों के उच्च न्यायालयों में बहुत सारे वकील हिंदी में ही जिरह करते हैं। एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने तो संस्कृत में फैसला सुनाकर इस जरूरत को रेखांकित किया था कि अदालतों को हर भाषा अपनाने की जरूरत है। ऐसे में दरकार है, तो एक ऐसा तंत्र विकसित करने की, जिसके माध्यम से हिंदी और दूसरी भाषाएं भी उच्च अदालतों में प्रवेश पा सकें।

त्रिवेणी नगर दिगंबर जैन समिति के चुनाव सम्पन्न

महेंद्र काला अध्यक्ष, रजनीश अजमेरा मंत्री व राकेश छाबड़ा कोषाध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया। त्रिवेणी नगर दिगंबर जैन समिति के चुनाव संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी सुरेश सेठ एवं पी के काला के अनुसार महेंद्र काला अध्यक्ष, डा विनोद जैन उपाध्यक्ष, रजनीश अजमेरा मंत्री, राकेश छाबड़ा कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए। सचिन काला, कैलाश सोगानी, लोकेश जैन, नरेंद्र कुमार सेठी, प्रवीण पांड्या व अरिहंत जैन निर्विरोध कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित हुए। अशोक कुमार पाटोदी सयुक्त मंत्री पद पर विजयी रहे।

मनुष्य को अपरिग्रहवादी नहीं बनना चाहिए

पांचों इंद्रियों के त्याग से ही सुख प्राप्त हो सकता है : आचार्य इंद्र नंदी जी

फागी. शाबाश इंडिया। धर्म परायण नगरी फागी में आचार्य 108 श्री इद्रनंदी जी महाराज, मुनि 108 श्री क्षमानंदी जी महाराज के पावन सानिध्य में पार्श्वनाथ चैत्यालय में प्रातः अभिषेक, शांतिधारा एवं अष्टद्रव्यों से पूजा हुई, आचार्य श्री इद्रनंदी जी महाराज ने धर्म सभा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते बताया कि मनुष्य को अपरिग्रहवादी नहीं बनाया चाहिए मनुष्य का ज्यादा दुख का कारण है चाहत, ईच्छाएं,आशा, अतः परिग्रह का परिमाण करने से सुख की प्राप्ति होती है, पांचों इंद्रियों के त्याग से ही सुख प्राप्त हो सकता है। ज्यादा सम्पन्नता भी दुख का कारण होती है,जिस प्रकार बरगद के पेड़ का बीज छोटा होता है लेकिन उसका फैलाव ज्यादा होता है उसी प्रकार दिए गए दान से धर्म का फैलाव ज्यादा होता है। कार्यक्रम में समाज के फूलचंद गिन्दोडी, कपूरचंद जैन मांदी, सोहन लाल झंडा, भागचंद बजाज, रामस्वरूप मंडावरा, कैलाश पंसारी, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा सहित काफी श्रावक श्राविकाएं मौजूद थे।

श्री नितेश जी-मीनू जी जैन पाण्डया

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ

(23 नवंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका,
परामर्शक: दिनेश - संगीता गंगवाल,
वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या,
सचिव: अनिल - प्रेमा रांवका,
कोषाध्यक्ष: अनिल - अनिता जैन
एवं समस्त सदस्य

दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

संतशिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कौन बनेगा आचार्य भक्त

जयपुर. शाबाश इंडिया

स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस की पावन संध्या पर विद्या नृत्यांजली अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता के युवा कलाकारों के साथ कौन बनेगा करोड़पति की थीम पर आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज की जीवनी पर आधारित कौन बनेगा आचार्य भक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सर्व प्रथम श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल समाज सूरत के अध्यक्ष राजीव भूच व श्रीमति राजलक्ष्मी भूच द्वारा चित्र अनावरण से की गई तथा महामंत्री संजय गदिया, सिम्पल गदिया द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया एवं यामिनी जैन गुवाहाटी द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरूआत की। समन्वयक श्रीमति शीला डोडिया ने बताया कि कौन बनेगा आचार्य भक्त कार्यक्रम में आचार्य श्री की जीवनी पर आधारित सवाल पूछें गए जिसमे सभी प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपना उत्साह दिखाया इस कार्यक्रम का संचालन श्रीमति शालिनी बाकलीवाल ने किया व कार्यक्रम को श्रीमति विनीता जैन ने प्रस्तुत किया व विजेता प्रतिभागियों को नगद राशि से सम्मानित किया गया तथा कार्यक्रम के पश्चात विद्या नृत्यांजली अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता के प्रथम क्वाटर राउण्ड का परिणाम भी घोषित किया जिसमें सेमी फाइनल राउण्ड का के लिए सम्पूर्ण देश से सौ प्रतिभागियों का चयन किया गया। कार्यक्रम निर्देशक अजय जैन मोहनबाड़ी ने बताया की प्रथम क्वाटर राउण्ड के निर्णायक मण्डल में रूप में श्रीमति तृप्ति जैन (ग्वालियर) श्रीमति शेफाली जैन (जयपुर) सुश्री नेहा जैन (जयपुर, मुम्बई) ने बड़ी सूझबूझ के साथ सेमी फाइनल राउण्ड के लिए प्रतिभागियों का चयन किया।

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ द्वारा सेवा सप्ताह के दौरान आपनो घर आश्रम मे भोजन वितरण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ द्वारा सेवा सप्ताह के दौरान आपनो घर आश्रम राजा पार्क मे भोजन वितरित किया गया। संस्थापक अध्यक्ष मनीष झांझरी ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य समन्वयक सुनील सोगानी, अजय जैन, रोहित जैन, मुनिया सोगानी तथा ग्रुप के अनेक सदस्यगण उपस्थित थे।

विरागोदय तीर्थ प्रभावना रथ के माध्यम से हो रही महोत्सव की महती प्रभावना

पथरिया. शाबाश इंडिया। बुन्देलखण्ड मध्य प्रदेश के दमोह जिला के पथरिया अंतर्गत विरागोदय तीर्थ महोत्सव, पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, यति सम्मेलन, युग प्रतिक्रमण 01 फरवरी से 15 फरवरी तक गणाचार्य विरागसागर जी महाराज सहित 350 साधुओं के सानिध्य में सम्पन्न होगा, जिसमें देश-विदेश से लाखों गुरुभक्त सम्मिलित होंगे। इस महामहोत्सव की प्रभावना एवं जन- जन को महामहोत्सव से जोड़ने के उद्देश्य को लेकर भारत के विभिन्न प्रांतों में पूज्य गणाचार्य भगवन संघस्थ श्रमण मुनि विवर्धनसागर जी की प्रेरणा से प्रभावना रथ का प्रवर्तन किया गया। विरागोदय तीर्थ प्रभावना रथ के माध्यम से कर्नाटक प्रांत के हुमचा पद्मावती, मध्यप्रदेश के रतलाम एवं उत्तरप्रदेश के आगरा में भी महोत्सव से लोगों को जोड़ने का कार्यक्रम किया गया, जहाँ समाज जनों द्वारा रथ की आगवानी आकर्षित तरीके से की गई हैं। ज्ञात हो कि इस पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में 80-80 मंडपों पर 80-80 मुख्य पात्रों के माध्यम से सभी कार्यक्रम सम्पन्न होंगे। इस महोत्सव में सामाजिक कल्याण हेतु भी अनेकों कार्यक्रम होंगे।

संकलन: राजेश रागी वरिष्ठ पत्रकार, बकस्वाहा

देवाधिदेव आदि नाथ भगवान की प्रतिमा पर विशेष 1008 मंत्रों के द्वारा अभिषेक एवं शांतिधारा की गई

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

प्रातः श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में मगसिर कृष्ण चौदस के पावन दिन परम पूज्य मुनि श्री 108 विशल्य सागर जी महाराज के परम सानिध्य में देवाधिदेव आदि नाथ भगवान की प्रतिमा पर विशेष 1008 मंत्रो के द्वारा अभिषेक एवं शांतिधारा समाज के द्वारा किया गया। शांति धारा के पश्चात मुनि श्री की पूजन हुई। श्रमण मुनि श्री विशल्यसागर जी गुरुदेव ने अपने उद्बोधन में कहा कि जहाँ पर जीवन में कोई बनावट नहीं है, कृत्रिमता नहीं है उसका नाम है प्रकृति का जीवन जो प्रकृति का जीवन जीता है उसका परमात्मा सदा खिला रहता है क्योंकि प्रकृति में ही परमात्मा खिलता है विकृति में नहीं ।अगर जीवन को अच्छा बनना है तो हमें प्रकृति का जीवन जीना होगा ।और कृति को खराब करना है तो हम जो जी रहे है जीते जा रहे है वह विकृति का जीवन है ।परमात्मा की कृति जो है उसे सभी पढ़ना चाहते है। अभी हम पढ़ ही तो रहे थे जिनसहस्त्रनाम स्त्रोत एवं वृहद शांतिधारा के माध्यम से। हम किसको पढ़ रहे थे परमात्मा की कृति को। परमात्मा की आराधना कर रहे थे क्यों ? क्योंकि वह एक सुंदर कृति है और वह सुंदर कृति लिखी जाती है. सद् गुणों से, सद् व्यवहार से सदचरण से होता है सुंदर कृति का निर्माण। सदसंस्कार से होता है सद जीवन शैली से होता है सद विचारों से होता है सद चिंतन से होता है । ये सद् जो हमारे जीवन में आ जाता है तो सभी को सद जाता है और सद जहाँ नहीं है वहाँ हमारा जीवन अनबैलेंस रहता है अस्थाई रहता है असाध्य रहता है जीवन में शान्ति की आवश्यकता है लेकिन शान्ति प्रकृति से ही आएगी। आनंद प्रकृति से आएगा । हम जो प्रकृति को निहारते है तो हमारे जीवन में शान्ति आती है और जब हम अशान्त रहते है, उदास है तो आप कहा यही बाहर निकल जाते है। घूमने के लिए, प्रकृति के वातावरण में, कहीं उपवन में जाते है।

मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

संसार के पापों को करने वाले तो बहुत मिलेंगे लेकिन धर्म कार्य करने वाले विरले हैं

युवा वर्ग की टीम ने किया स्थान का निरीक्षण। रविवार को होगा महा महोत्सव के मुख्य पात्रों का चयन

ललितपुर. शाबाश इंडिया। संसार के पापों को कहने वाले तो बहुत मिलेंगे संसार में तो लोग पाप कार्य में अपने ऐसो आराम धन लुटाते हैं लेकिन ये कहने वाले बहुत कम मिलेंगे की मैंने तो भगवान की सेवा करने के लिए ही ये सब कुछ कमाया था जब दुःख के दिन हो तब जिसे पाप के दरवाजे खुला रहता है उसे पुण्य का दरवाजा तो खुला ही रहता है एज यू लाइक पसंद अपनी अपनी आपने सही समय पर सही निर्णय ले लिया तो रास्ते नीचे ले जा रहे थे वहीं मार्ग मंजिल की ओर भी ले जा सकता है, निर्माण आपको ही करना है उक्त आश्य के उद्गार मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

आगे होगा पिच्छिका परिवर्तन

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने ललितपुर से लौटकर बताया कि जिले की सीमा से लगे ललितपुर में भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह की तैयारियों के साथ ही स्थान का निरिक्षण करने जैन युवा वर्ग की टीम ने समिति से भेंट की इस दौरान परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के चरणों में श्री फल भेंट किए मुनि पुंगव ने कहा कि अभी पिच्छिकाओ का ही निर्माण नहीं हुआ जैसे ही पिच्छिका निर्मित होंगी उसके बाद तारीख घोषित हो सकेगी अभी सिर्फ महा महोत्सव के पात्रों का चयन रविवार को किया जाएगा । इस दौरान अतिशय क्षेत्र अभिनन्दनोदय तीर्थ ललितपुर में बन रहीं अद्भुत गुफा को देखा ऐसी गुफा पहले कभी देखने में नहीं आई । युवा वर्ग के अध्यक्ष सुलभ अखाई ने कहा कि संस्कृति प्रस्तुतियां बहुत देखी है लेकिन जो नजारा यहां देखने को मिल रहा है वह हम सब की कल्पना से परे है ये सब मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में ही सम्भव है। भगवान, गुरु धर्मात्मा के पास जाओ तो समय ही समय है कभी ये मत बोलना समय नहीं हैं। मुनि पुगंव ने कहा कि मंदिर तो 200 साल पुराना है लेकिन हमारा घर तो नये बन गये कोई अपने दादा के मकान में रहता नहीं , नया मकान बनाते हैं पुराने मंदिर में हम लोग पूजा कर रहे हैं पुराने मंदिर में रिपयरींग कर रहे हैं। मंदिर भिखारयों के लिए नही सुखी आदमी आजकल होटलों में जाते हैं दुखी होने पर गरीब आदमी मंदिर आते हैं !सुखी आदमी मंदिर आने लगे। भगवान को नीचे मत बुलाओ मुनि महाराज इसलिए सिद्धों की वंदना करते हैं। मुनिश्री ने कहा कि हम लोगों को बड़ों के पास जाना चाहिए बड़ो को अपने पास ना बुलाये बड़ो को अपने पास बुलाओगे आपका विनाश हो जायेगा बड़ों से कुछ प्राप्त करने के लिए नहीं उन्हें भेंट करने के लिए उनके पास जाओ भगवान के चरणों में जाने के लिए गुरु और बड़ो के पास जाने के लिए हमारे पास समय ही समय है।

श्री महावीरजी में भगवान महावीर के महामस्तकाभिषेक महोत्सव का मंगलाचरण आज 23 नवम्बर को

श्री भक्तामर अनुष्ठान की विद्या सागर यात्रा संघ देगा प्रस्तुति। दोपहर 1.15बजे से मुख्य मंदिर में होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

संपूर्ण विश्व को अहिंसा और जीओं और जीने का संदेश देने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान श्री महावीर स्वामी की भू गर्भ से प्रकटित,अति मनोज्ञ और अतिशय कारी प्रतिमा के आगामी 27 नवम्बर से होने वाले महामस्तकाभिषेक महोत्सव का मंगलाचरण श्री भक्तामर अनुष्ठान से होगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल होंगे। प्रचार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि यह आयोजन पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रारम्भ होने के एक दिवस पूर्व बुधवार,23 नवंबर को दोपहर 1.15 बजे मुख्य मंदिर परिसर में आयोजित किया होगा। यह आयोजन वात्सल्य वारिधि परम पूज्य आचार्य प्रवर श्री 108 वर्धमान सागर महाराज के ससंघ सानिध्य और श्राविका श्रेष्ठ श्रीमति सुशीला पाटनी धर्मपत्नि अशोक पाटनी आर.के मार्बल्स परिवार किशनगढ़ के निर्देशन में संपन्न होगा। इस अनुष्ठान का प्रभार श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर के प्रमुख मनीष चौधरी जयपुर को दिया गया है। इस अनुष्ठान की समस्त मंगल क्रियाए उनके मार्गदर्शन में संपन्न होगी। चौधरी ने बताया कि इसमें पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के मुख्य पात्रो को सपरिवार आमंत्रित किया गया है ।इस आयोजन में दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, मानद् मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, कोषाध्यक्ष विवेक काला, महोत्सव समिति के पदाधिकारियों सहित समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजन भी इसमें सम्मिलित होगे। महोत्सव समिति के प्रचार प्रसार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि इस मंगलाचरण से पूर्व जैन समाज के विश्व के तीन महामस्तकाभिषेक के आयोजनों का मंगलाचरण श्री भक्तामर अनुष्ठान से हुआ है और तीनों ही अनुष्ठान धर्म की महती प्रभावना के साथ सम्पन्न हुये हैं।

रक्तदान शिविर आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

रक्तदान शिविर मानव सेवार्थ रविवार को स्वर्गीय विवेक गुप्ता की पुण्य तिथी पर शकुन्तला विवेक चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रजत पथ मानसरोवर ट्रस्ट प्रांगण में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। ट्रस्ट के डायरेक्टर हरगोविन्द गुप्ता ने बताया कि यह तृतीय रक्तदान शिविर है एवं ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क फिज्योथैरेपी एवं विभिन्न मशीनों द्वारा एवं अन्य चिकित्सा सेवा डॉ. पवन सिंघल द्वारा 17 वर्षों से दी जा रही है। कार्यक्रम संयोजक ई. शक्ति सिंह यादव एवं एस पी गुप्ता ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा 98 व्यक्तियों द्वारा रक्तदान दिया गया जिनमें अधिकतर युवाओं में प्रथम बार मोटिवेट करने पर दिया गया।

कार्यक्रम में नगर निगम हैरिटेज के फायर समिति के चैयरमैन पारस जैन, जैन सोश्यल ग्रुप इन्टरनेशनल बम्बई के पूर्व अध्यक्ष कमल संचेती, अधीक्षण अभियन्ता सतीश गुप्ता, ई. लोकेश जैन, ई. राजीव अग्रवाल मानसरोवर सब डिविजन एवं अन्य गणमान्य अतिथि दानदाताओं का संयोजक ई. प्रदीप भण्डारी ने आभार व्यक्त किया।

डायबिटीज को जड़ से ठीक करने की रामबाण उपाय क्या है?

मधुमेह को जड़ से कैसे खत्म करें इसके लिए जरूरी है कि जो चीजें आपको यहां पर बताई जा रही हैं उस पर आप नियमित रूप से अमल करें।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।

शाबाश इंडिया

अगर आप नियमित रूप से अमल नहीं करेंगे तो फिर आप मधुमेह को जड़ से खत्म करने में असफल रहेंगे ध्यान रहे कि मधुमेह कई बीमारियों का समूह है इसीलिए इसको धीमा मौत भी कहते हैं मतलब इसका यह है कि इसमें इंसान धीरे-धीरे मरता है। तो चलिए अब हम आपको बताते हैं कि मधुमेह को जड़ से कैसे खत्म कर सकते हैं? तो इसके लिए सबसे पहले आपको कलौंजी के दाने लेना है।

सेवन करने का तरीका

डेढ़ कप पानी में 5 ग्राम कलौंजी को डाल देना है उसके बाद उसको इतना गर्म करना है कि पानी केवल एक कप रह जाए। और जब पानी थोड़ा ठंडा या गुनगुना हो जाए तो उसे हर सुबह खाली पेट इसका सेवन करना। इस तरह आप को नियमित रूप से 6 महीने तक करना है। इंशा अल्लाह आपकी डायबिटीज या शुगर नाम निशान नहीं रहेगा। दोस्तों कोलौंजी ना सिर्फ आपके डायबिटीज के लिए लाभदायक है बल्कि कई बीमारियों को खत्म करने का कारण बनता है जैसे कि जोड़ों के दर्द, कमर के दर्द, हड्डियों की परेशानी, सीने का दर्द, किडनी की परेशानी, और पेट की सफाई। इसके अलावा यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखता है इसके अलावा यह ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल में रखता है। पहले इस बात का पता होना बेहद आवश्यक है कि मधुमेह क्या है? मधुमेह के कितने टाइप्स हैं? मधुमेह के लक्षण क्या है? और इसके बारे में किन-किन चीजों से आपको परहेज करना चाहिए और किन-किन चीजों का सेवन करना चाहिए।

मानसरोवर में आदिनाथ चिकित्साल्य (धर्मार्थ) का शुभारम्भ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर 11 अग्रवाल फार्म मानसरोवर में आदिनाथ चिकित्साल्य (धर्मार्थ) का शुभारम्भ किया गया है। चिकित्साल्य मे होम्योपैथिक व आयुर्वेदिक उपचार किए जाएंगे। होम्योपैथिक चिकित्सक डा.एस.के सेठ प्रातः 8 बजे से 9 बजे तक तथा आयुर्वेदिक वैध वेन्दती शर्मा प्रातः 9 से 11 की सेवाएं उपलब्ध रहेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक अशोक लाहोटी, अभय पुरोहित, हरिओम स्वर्णकार, पार्षद मनोज तेजवानी की गौरवमय उपस्थिति रही। मंदिर जी कमेटी के मंत्री अनिल जैन ने बताया कि भविष्य में यहां पर रियायत दर पर खून जांच व एलोपैथिक डॉक्टर की सेवाए भी शीघ्र शुरू की जाएंगी।

विश्व जैन संगठन (महिला प्रकोष्ठ) द्वारा शास्वत तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी की यात्रा आयोजित

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। विश्व जैन संगठन (महिला प्रकोष्ठ) द्वारा शास्वत तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी और सिद्ध क्षेत्रों की पवित्रता और संरक्षण के लिए अतिश्यकारी तीर्थ क्षेत्रों के दर्शन, पूजन करने ''धर्म यात्रा संघ'' के अंतर्गत द्वितीय तीर्थ यात्रा जैन मंदिर जी, राम गली, विश्वास नगर, दिल्ली-32 से 'श्री चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, बरनावा और श्री पार्श्वनाथ दि. जैन अतिशय क्षेत्र, बड़ा गाँव (उ. प्र.)' के दर्शन, पूजन कर आयोजित की गयी। यात्रा की संयोजिका रुचि जैन, विश्व जैन संगठन (महिला प्रकोष्ठ) थी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com